अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार

'खेत बचाओ अभियान' के तहत जागरूकता एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

श्री विजय पुरम, 29 जून।

देशव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' के तहत आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम ने 29 जून, 2026 को दक्षिण अण्डमान के टुसनाबाद गांव में सतत मृदा एवं कृषि संसाधन प्रबंधन विषय पर जागरूकता एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का संचालन आईसीएआर–सीआईएआरआई के प्रधान वैज्ञानिक (कृषि यांत्रिकी) डॉ. आई. जय शंकर, वैज्ञानिक (कृषि मौसम विज्ञान) डॉ. अभिलाष, वैज्ञानिक (मत्स्य) डॉ. जेस मारिया विल्सन तथा वैज्ञानिक (प्रसार शिक्षा) डॉ. चैत्रश्री जे. ने संयुक्त रूप से किया। उनके साथ डॉ. वाई. रामकृष्ण, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), सीपीघाट भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन तथा कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (एटीएमए), दक्षिण अण्डमान के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में 41 किसानों, जिनमें 28 पुरुष एवं 13 महिलाएं शामिल थीं, ने भाग लिया और विशेषज्ञों के साथ सक्रिय संवाद किया। तकनीकी सत्रों के दौरान द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र में फसल उत्पादकता बनाए रखने, जलवायु परिवर्तन के प्रति कृषि की सहनशीलता बढ़ाने तथा दीर्घकालिक कृषि स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण एवं सुधार के महत्व पर विशेष बल दिया गया।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) पहल के अंतर्गत डॉ. अभिलाष ने खेती से जुड़े निर्णयों में मौसम आधारित कृषि परामर्श की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

मत्स्य पालन विषय पर डॉ. जेस मारिया विल्सन ने वैज्ञानिक तालाब प्रबंधन की व्यवहारिक जानकारी देते हुए तालाब में जल की गुणवत्ता बनाए रखने, नियमित निगरानी, संतुलित आहार प्रबंधन तथा रोगों की रोकथाम संबंधी उपायों की जानकारी दी, जिससे मत्स्य उत्पादन बढ़ाने एवं तालाब के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायता मिल सके। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के समापन पर किसानों से विज्ञान आधारित एवं जलवायु–अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने तथा 'खेत बचाओ अभियान' के उद्देश्यों के अनुरूप मृदा एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।